भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 5574

04 अप्रैल, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एनीमिया की व्यापकता

†5574. श्री प्रद्युत बोरदोलोईः

श्री इमरान मसूदः

श्री तनुज पुनियाः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 से एनीमिया से संबंधित कोई मापन बाहर रखा गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने देश भर में एनीमिया की व्यापकता को मापने के लिए वैकल्पिक सर्वेक्षण करने की योजना बनाई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एनीमिया को मापने के लिए अपनाई गई पद्धति, इसके नमूना आकार और आवधिकता से संबंधित जानकारी क्या है और क्या यह राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण होगा या केवल विशिष्ट राज्यों/क्षेत्रों को ही कवर किया जाएगा;

(घ) गत पांच वर्षों के दौरान महिलाओं और बच्चों में एनीमिया के कुल मामलों की वर्षवार और राज्यवार संख्या कितनी है; और

(ङ) देश में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की व्यापकता को कम करने के लिए सरकार द्वारा की गयी पहलों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार तथा वर्षवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से प्राप्त सूचना के अनुसार, भारतीय आहार एवं बायोमार्कर सर्वेक्षण (डीएबीएस-I) विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में बच्चों, किशोरों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, पुरुषों, बुजुर्गों आदि विभिन्न आयु समूहों की दो लाख से अधिक आबादी को शामिल कर आयोजित किया जा रहा है। विभिन्न आयु समूहों के बीच डीएबीएस अध्ययन द्वारा हीमोग्लोबिन आकलन के आंकड़े स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एनीमिया की व्याप्तता का अनुमान लगाने के लिए उपयोग किया जाएगा।

(घ): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर 15-49 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया की व्याप्तता 57.0 प्रतिशत है और 6-59 महीने के बच्चों में यह 67.1 प्रतिशत है। महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार व्याप्तता **अनुलग्नक** में दी गई है।

(ङ): भारत सरकार छह लाभार्थी समूहों - 6-59 महीने के बच्चे, 5-9 वर्ष के बच्चे, किशोर (10-19 वर्ष), प्रजनन आयु की महिलाएं (15-49 वर्ष), गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताओं में एनीमिया के व्यापकता को कम करने के लिए 6X6X6 कार्यनीति-छह क्रियाकलापों के माध्यम से जीवन चक्र दृष्टिकोण में - रोगनिरोधी आयरन और फोलिक एसिड अनुपूरण (6-59 महीने के बच्चों को आईएफए सिरप, 5-9 वर्ष के बच्चों को आईएफए गुलाबी गोलियां, 10-19 वर्ष के किशोरों को आईएफए नीली गोलियां, प्रजनन आयु समूह की महिलाओं और गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को आईएफए लाल गोलियां, कृमि मुक्ति, वर्ष भर चलने वाला व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान, डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर और पॉइंट ऑफ केयर उपचार का उपयोग करके एनीमिया की जांच, जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयरन और फोलिक एसिड युक्त खाद्य पदार्थों का अनिवार्य प्रावधान, सुदृढ़ संस्थागत तंत्र के माध्यम से मलेरिया, हीमोग्लोबिनोपैथी और फ्लोरोसिस पर विशेष ध्यान देते हुए, स्थानिकमारी क्षेत्रों में एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों का पता लगाने सहित एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम लागू करती है।

दिनांक **04.04.2025** को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या **5574** के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

अनुलग्नक

महिलाओं और **5** वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एनीमिया का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार व्याप्तता (स्रोत: एनएफएचएस-**5, 2019-21)**

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**15-49 वर्ष की आयु की सभी महिलाएं जो एनीमिया से पीड़ित हैं (%)**	**6-59 महीने की आयु के बच्चे जो एनीमिया से ग्रस्त हैं (%)**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	57.5	40.0
2	आंध्र प्रदेश	58.8	63.2
3	अरुणाचल प्रदेश	40.3	56.6
4	असम	65.9	68.4
5	बिहार	63.5	69.4
6	चंडीगढ़	60.3	54.6
7	छत्तीसगढ़	60.8	67.2
8	दिल्ली	49.9	69.2
9	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	62.5	75.8
10	गोवा	39.0	53.2
11	गुजरात	65.0	79.7
12	हरियाणा	60.4	70.4
13	हिमाचल प्रदेश	53.0	55.4
14	जम्मू एवं कश्मीर	65.9	72.7
15	झारखंड	65.3	67.5
16	कर्नाटक	47.8	65.5
17	केरल	36.3	39.4
18	लद्दाख	92.8	92.5
19	लक्षद्वीप	25.8	43.1
20	मध्य प्रदेश	54.7	72.7
21	महाराष्ट्र	54.2	68.9
22	मणिपुर	29.4	42.8
23	मेघालय	53.8	45.1
24	मिजोरम	34.8	46.4
25	नागालैंड	28.9	42.7
26	ओडिशा	64.3	64.2
27	पुदुचेरी	55.1	64.0
28	पंजाब	58.7	71.1
29	राजस्थान	54.4	71.5
30	सिक्किम	42.1	56.4
31	तमिलनाडु	53.4	57.4
32	तेलंगाना	57.6	70.0
33	त्रिपुरा	67.2	64.3
34	उत्तर प्रदेश	50.4	66.4
35	उत्तराखंड	42.6	58.8
36	पश्चिम बंगाल	71.4	69.0

*****